भारत सरकार

योजना मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 5286

दिनांक 02.04.2025 को उत्तर देने के लिए

राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक

5286. **श्री कंवर सिंह तंवर:**
डॉ. मन्ना लाल रावत:
श्री बसवराज बोम्मई:
श्रीमती भारती पारधी:
श्री दामोदर अग्रवाल:
श्री पी.पी. चौधरी:
श्री आलोक शर्मा:
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्री बजरंग मनोहर सोनवणे:
श्री गजेन्द्र सिंह पटेल:

क्या **योजना** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश में राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक शुरु करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं;

(ग) उक्त सूचकांक में सम्मिलित किए जाने या इससे बाहर रखे जाने वाले राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के नाम और श्रेणियां क्या हैं तथा राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों को सम्मिलित किए जाने/बाहर रखने के लिए क्या मानदंड नियत किए गए हैं;

(घ) सूचकांक में राज्यों की रैंकिंग के लिए विचार किए जाने वाले उप-सूचकांक और मापदंडों का ब्यौरा क्या है, साथ ही उनका महत्व और मापन पद्धति क्या है;

(ङ) क्या सरकार ने राजकोषीय स्वास्थ्य के साथ ही बजट, ऋण प्रबंधन और उत्तरदायित्वपूर्ण व्यय के बारे में जन जागरुकता के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) उक्त जागरुकता अभियानों की प्रभावशीलता को किस प्रकार से मापा जाता है; और

(छ) क्या राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ राज्यों के राजकोषीय प्रदर्शन की तुलना करने के लिए कोई विशिष्ट प्रणाली स्थापित की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय;
राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) योजना मंत्रालय एवं
राज्यमंत्री, संस्कृति मंत्रालय

(राव इंद्रजीत सिंह)

(क) से (छ) नीति आयोग ने 24 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में "राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) 2025" का प्रारंभिक संस्करण प्रकाशित किया। एफएचआई का उद्देश्य भारत के राज्यों की राजकोषीय स्थिति के बारे में महत्वपूर्ण डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि प्रदान करना, सुविज्ञ नीति निर्माण का समर्थन करना और कार्यनीतिक अंत:क्षेपों का मार्गदर्शन करना है। इसके विश्लेषण और निष्कर्षों का उद्देश्य नीति निर्माताओं को अलग-अलग राज्यों की राजकोषीय स्थिति की स्पष्ट समझ प्रदान करके सहायता करना है, जिससे उन क्षेत्रों को इंगित करने में मदद मिलती है जिनमें सुधार की आवश्यकता है। उद्घाटन संस्करण में, 18 प्रमुख राज्यों, उत्तरपूर्व और हिमालयी राज्यों तथा संघ राज्य क्षेत्रों को छोड़कर, राजकोषीय मापदंडों के आधार पर रैंकिंग प्रदान की गई थी, जिनमें राज्यों को 4 श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है, अर्थात् अचीवर्स, फ्रंट रनर, परफॉर्मर और एस्पिरेशनल। इस विश्लेषण और निष्कर्षों का उद्देश्य नीति निर्माताओं को अलग-अलग राज्यों के राजकोषीय स्वास्थ्य की स्पष्ट तस्वीर प्रदान करनी है, जिससे उन क्षेत्रों की पहचान की जा सके जिनमें सुधार करने तथा कार्यनीतिक रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है। यह रिपोर्ट उप राष्ट्रीय स्तर पर राजकोषीय स्थिति को समझने तथा सतत और ठोस आर्थिक विकास को बढ़ावा देने वाले नीतिगत सुधारों को प्रोत्साहित करने में मदद करेगी। रैंकिंग की सूची अनुलग्नक में संलग्न है।

समग्र राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक (एफएचआई) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक (कैग) के आंकड़ों का उपयोग करके तैयार किया गया है। विश्लेषण की अवधि वित्तीय वर्ष 2022-23 है। यह सूचकांक पाँच प्रमुख संकेतकों के आधार पर राज्यों का मूल्यांकन करता है: व्यय की गुणवत्ता, राजस्व जुटाना, राजकोषीय विवेक, ऋण सूचकांक और ऋण स्थिरता। विस्तृत कार्यप्रणाली और विश्लेषण https://www.niti.gov.in/sites/default/files/202501/Fiscal_Health_Index_24012025_Final.pdf. पर देखा जा सकता है। यह विस्तृत जांच अलग-अलग राज्यों के प्रदर्शन पर प्रकाश डालती है और समय के साथ व्यापक राजकोषीय रुझानों के बारे में मूल्यवान जानकारी भी प्रदान करती है, जिससे देश भर में राजकोषीय स्वास्थ्य की बेहतर समझ बनती है।

एफएचआई रिपोर्ट को सभी राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा किया गया है ताकि उन्हें प्रमुख संकेतकों पर अपने राजकोषीय प्रदर्शन का मूल्यांकन करने में मदद मिल सके। राज्यों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं के अनुकूल स्थायी राजकोषीय प्रथाओं को अपनाने और उचित राज्य-स्तरीय अंत:क्षेपों के माध्यम से राजकोषीय विवेक की दिशा में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

*****

अनुलग्नक

'राजकोषीय स्वास्थ्य सूचकांक' के संबंध में दिनांक 02.04.2025 को श्री कंवर सिंह तंवर: डॉ. मन्ना लाल रावत: श्री बसवराज बोम्मई: श्रीमती भारती पारधी: श्री दामोदर अग्रवाल: श्री पी.पी. चौधरी: श्री आलोक शर्मा: श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे: श्री बजरंग मनोहर सोनवणे: श्री गजेन्द्र सिंह पटेल: द्वारा पूछे गए लोक सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 5286 के भाग (क) से (छ) के उत्तर में संदर्भित अनुलग्नक

रैंक	राज्य	वर्ग
1	ओडिशा	अचीवर
2	छत्तीसगढ़	अचीवर
3	गोवा	अचीवर
4	झारखंड	अचीवर
5	गुजरात	अचीवर
6	महाराष्ट्र	फ्रंट रनर
7	उत्तर प्रदेश	फ्रंट रनर
8	तेलंगाना	फ्रंट रनर
9	मध्य प्रदेश	फ्रंट रनर
10	कर्नाटक	फ्रंट रनर
11	तमिलनाडु	परफ़ॉर्मर
12	राजस्थान	परफ़ॉर्मर
13	बिहार	परफ़ॉर्मर
14	हरियाणा	परफ़ॉर्मर
15	केरल	एस्पिरेशनल
16	पश्चिम बंगाल	एस्पिरेशनल
17	आंध्र प्रदेश	एस्पिरेशनल
18	पंजाब	एस्पिरेशनल

*****